ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE

REACHING NATIONS

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXIX YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2024 NOVEMBER No.12

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो

नीतिवचन 26:1—10

1 जैसा धूपकाल में हिम का, और कटनी के समय जल का पड़ना, वैसा ही मूर्ख की महिमा भी ठीक नहीं होती।

2 जैसे गौरैया घूमते-घूमते और सूपाबेनी उड़ते-उड़ते नहीं बैठती, वैसे ही व्यर्थ शाप नहीं पड़ता।

3 घोड़े के लिये कोड़ा, गदहे के लिये लगाम, और मूर्खों की पीठ के लिये छड़ी है।

4 मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना ऐसा न हो कि तू भी उसके तुल्य ठहरे।

5 मूर्ख को उसकी मूढ़ता के अनुसार उत्तर देना, ऐसा न हो कि वह अपने लेखे में बुद्धिमान ठहरे।

6 जो मूर्ख के हाथ से संदेश भेजता है, वह मानो अपने पांव पर कुल्हाड़ा मारता और विष पीता है।

7 जैसे लंगड़े के पांव लडखड़ाते हैं, वैसे ही मूर्खों के मुंह में नीतिवचन होता है।

8 जैसे पत्थरों के ढेर में मणियों की थैली, वैसे ही मूर्ख को महिमा देनी होती है।

9 जैसे मतवाले के हाथ में काँटा गड़ता है, वैसे ही मूर्खों का कहा हुआ नीतिवचन भी दुख़दाई होता है।

10 जैसा कोई तीरन्दाज जो अकारण सब को मारता हो, वैसा ही मूर्खों या राहगीरों का मज़दूरी में लगानेवाला भी होता है।

❋ हमारे विचार महत्व रखते हैं : मनन ❋

(मानद प्रधान सम्पादिका, रेव्ह. एन्जेलिन सेल्वाकुमारी)

एक दूसरे का बोझ उठाना!

BEAR EACH OTHER'S BURDEN! (Galatians 6:2)

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के नाम पर सभी को अभिवादन, जिसका प्रेम असीम, बिना शर्त और निर्विवाद है। हम परमेश्वर को उनकी कृपा और अनुग्रह के लिए धन्यवाद देते हैं, जिसने हमें २०२४ के पहले दस महीनों तक बनाए रखा है। वह हमारा मार्गदर्शन करना जारी रखेगा, और उसका अनुग्रह हमेशा पर्याप्त होगा, क्योंकि हम उसकी सन्तान हैं।

बाइबल हमें बताती है कि उसने हमें उसकी सन्तान होने के लिए बुलाया है। क्या आशीष है! लेकिन महत्वपूर्ण सवाल यह है, “क्या हमारा जीवन उसकी बुलाहट के योग्य है?” इफिसियों को लिखे अपने पत्र में, प्रेरित पौलुस लिखता हैं, **... तुम से विनती करता हूं कि जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे, उसके योग्य चाल चलो** जो आपको इफिसियों 4:1 में मिला है। इसका क्या अर्थ है? यह वाक्यांश मेरे मस्तिष्क में कई दिनों तक घूमता रहा। उसकी बुलाहट के योग्य जीवन जीने का वास्तव में क्या अर्थ है? हमें वास्तव में क्या करने के लिए बुलाया गया है? हालांकि इसके कई पहलू हैं, आइए आज हम एक पर ध्यान केंद्रित करें।

मेल करने वाले परमेश्वर की सन्तान

पृष्ठ ३ में क्रमशः...

❀ एको ऑफ हिज़ कॉल ❀ *5 मिनिट का संदेश!!*

यू ट्यूब *मसीही चैनल!*

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे *तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे*

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

REACHING NATIONS

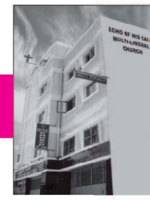

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.
HON. MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM, MBA.
ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)
EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858
95661 31858
E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com
YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

"परखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है! क्या ही धन्य है वह पुरुष जो उसकी शरण लेता है। " भजन 34:8

मसीह में परमेश्वर के प्यारे बच्चों,

हम आपको प्रभु के घर से आशीष देते हैं कि आपका अच्छा जीवन और भी अधिक समृद्ध हो (भजन 118:26)।

हम अपने सहकर्मियों के लिए प्रभु को बहुत धन्यवाद देते हैं जो एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाइयों के सहकर्मी हैं। भले ही कुछ क्षेत्रों में बाधाएं, बीमारी और आर्थिक संकट हमारे लिए अनुकूल नहीं थे, लेकिन परमेश्वर हमारी रक्षा और मार्गदर्शन कर रहा है, जैसा कि प्रेरित पौलुस ने कहा था कि जीवन की हानि नहीं बल्कि केवल जहाज की हानि (प्रेरितों के काम 27:22)।

हम अपने सहकर्मियों के शारीरिक रूप से भले-चंगे होने के कारण स्थानीय यात्राएं करने में सक्षम हैं। परमेश्वर ने हमें वचन के अनुसार ऊपर उठाया है, **... क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे तौभी उठ खड़ा होता है**_नीतिवचन 24:6। इसलिए हमें आशा है कि नवंबर का महीना आशीष से भरपूर होगा।

हम मुख्य कार्यालय में हमारे सहकर्मियों अर्थात डॉ. सेरीना बेविन, बहन सजनी चेरियन, रेव्ह. डॉ. के.आर. राजशेखरन, रेव्ह. डॉ. रॉबर्ट विलियम और १६ भाषाओं के अन्य सभी सहायक सम्पादक, एसोसिएट एडिटर के सहायक, समन्वयक और साथ ही हमारे प्रिंटिंग प्रेस कर्मचारियों के लिए आपकी प्रार्थनाओं की बहुत कामना करते हैं, जो हर महीने एको ऑफ हिज कॉल पत्रिका को छापने और प्रकाशित करने के लिए जिम्मेदार हैं। इन सभी लोगों की भलाई के कारण ही हम हर महीने नियमित रूप से पत्रिका प्रकाशित कर पाते हैं।

कृपया हमारी कलीसियाओं, नहेमिया बाइबल कॉलेजों, सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, प्रिंटिंग प्रेस, मीडिया सेवकाई (यूट्यूब), मिशन केंद्रों और कार्यालय में सेवा करने वाले हमारे सहकर्मियों को अपनी बहुमूल्य प्रार्थनाओं में याद रखें।

विशेष रूप से, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमारी सेवकाई वित्तीय संकट से गुज़र रही है। और हम अपनी ज़रूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं। कृपया प्रार्थना करें।

आप सभी को भरपूर आशीष मिले।

प्रेम और प्रार्थनाओं के साथ,

पास्टर एलेक्स सैमसन सैम

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज

(+91) 98410 71858 / 98412 71858 Email: sam@echoofhiscall.org

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) YouTube Ministry Online Courses Theological Correspondence Courses (2 languages) Church Planting Nehemiah Bible Colleges Gospel Printing Press Great Commission Partners St. Paul's Matriculation School Crusades Community Development

एको ऑफ हिज़ कॉल के पाठकों : ध्यान दें

हमारे 5 मिनिट के एको ऑफ हिज़ कॉल यूट्यूब संदेश सुबह 2 बजे तमिल, अंग्रेज़ी और हिंदी में प्रतिदिन प्रसारित किए जाते हैं। इन संदेशों को देखने से आप परमेश्वर का अनुग्रह पा सकते हैं।

इसके अलावा, आपके व्यक्तिगत मोबाइल फोन में मेरे मोबाइल क्रमांक (+91) 98410 71858, (+91)98412 71858 सेव करें।

- पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज

पृष्ठ 1 से आगे:...

आइए मत्ती **5:9 पर विचार करें,** प्रिय भाइयों और बहनों, यदि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाना चाहते हैं और अपनी बुलाहट के योग्य जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें मेल करने वाले बनना होगा। यह परमेश्वर की सन्तानों की एक प्रमुख विशेषता है। उसने हमें मेल करने वाले बनने के लिए बुलाया है, न कि उपद्रवी।

इफिसियों 4:2 सिखाता है कि परमेश्वर की सन्तान होने के नाते, हमें एक-दूसरे का बोझ उठाकर मेल करने वाले बनने के लिए बुलाया गया है। ऐसा करने के लिए, हमें विनम्र, सौम्य और धैर्यवान होना चाहिए। इन गुणों का अभ्यास न केवल उन साथी विश्वासियों के साथ करना आवश्यक है जो हमारे विश्वास को साझा करते हैं, बल्कि उन लोगों के साथ भी जो प्रतिदिन कठोर शब्दों और चोट पहुंचाने वाले कार्यों के साथ हमारे धैर्य की परीक्षा लेते हैं। सच में, यह कठिन और चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसे जीने की तुलना में इसके बारे में बोलना कहीं अधिक आसान है। हालांकि, यह ठीक वही है जो बाइबल उन लोगों से अपेक्षा करती है जो यीशु से प्रेम करते हैं। प्रेरित याकूब इस बात पर ज़ोर देता है कि हमें वचन के अनुसार चलने वाले होने चाहिए, न कि केवल सुनने वाले।

एक-दूसरे का बोझ उठाना!

कुलुस्सियों 3:13 हमें निर्देश देता है : **एक दूसरे की सह लो और एक दूसरे के अपराध क्षमा करो; जैसे प्रभु ने तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी करो।**

एक दूसरे की सहने के लिए क्षमा की आवश्यकता होती है। वास्तव में क्षमा करने के लिए, हमें प्रेम की आवश्यकता होती है, और परमेश्वर के प्रेम के बिना, हम पूरी तरह से क्षमा नहीं कर सकते या भूल नहीं सकते। आप कह सकते हैं," यह कठिन है; मैं ऐसा नहीं कर सकता। मैं बस एक मनुष्य हूं, जिसमें भावनाएं और संवेदनाएं हैं। मेरे लिए यह असंभव है।" लेकिन यही कारण है कि हमें परमेश्वर की मदद की आवश्यकता है - प्रेम करने और क्षमा करने के लिए। एक दूसरे के बोझ को बांटना केवल एक सुझाव या विकल्प नहीं है; यह एक आज्ञा है। गलातियों 6:2 कहता है, **तुम एक दूसरे का भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।**

मसीह की व्यवस्था को पूरा करने के लिए, हमें एक दूसरे का बोझ उठाने में मदद करनी चाहिए। हर व्यक्ति कठिनाइयों का सामना करता है : चुनौतियां, भारी परिस्थितियां, वित्तीय संघर्ष, पाप से लड़ाई और शारीरिक और आत्मिक दोनों तरह की परीक्षाएं। हालांकि, हमें इन बोझों को अकेले नहीं उठाना है, यही कारण है कि परमेश्वर ने हमें कलीसियाई परिवार दिया है। हम मसीह में एक देह हैं, और जब देह का एक अंग पीड़ित होता है, तो पूरा शरीर प्रभावित होता है।

क्रूस का प्रतीकवाद!

हम अक्सर परमेश्वर के साथ शांति बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, उसके साथ अपने रिश्ते पर ज़ोर देते हैं। हालांकि, क्रूस के चिन्ह में दो रेखाएँ होती हैं : खड़ी रेखा परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते को दर्शाती है, जबकि क्षैतिज या आड़ी रेखा दूसरों के साथ हमारे रिश्ते को दर्शाती है।

यीशु की दो सबसे महत्वपूर्ण आज्ञाओं को उसी तरह से संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। **मत्ती 22:37, परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते (खड़ी रेखा) के बारे में बोलता** है। दूसरा, ... अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्रेम करें मत्ती 22:39, मत्ती 22:34–40 से, दूसरों के साथ हमारे रिश्ते (खड़ी रेखा) को संबोधित करता है।

हममें से बहुत से लोग परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते से संतुष्ट हैं। हम प्रभु से प्रेम करते हैं, प्रतिदिन उसका वचन पढ़ते हैं, प्रार्थना करते हैं, उपवास करते हैं, गिरजाघर जाते हैं, और सेवकाई में लगे रहते हैं, आत्मा के वरदानों पर बहुत ज़ोर देते हैं। जैसा कि पौलुस 1 कुरिन्थियों 12:8–10 में लिखता है, **क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि की बातें दी जाती हैं, और दूसरे को उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान की बातें। किसी को उसी आत्मा से विश्वास, और किसी को उसी एक आत्मा से चंगा करने का वरदान दिया जाता है। फिर किसी को सामर्थ्य के काम करने की शक्ति, और किसी को भविष्यद्वाणी की, और किसी को आत्माओं की परख, और किसी को अनेक प्रकार की भाषा, और किसी को भाषाओं का अर्थ बताना।**

फिर भी, आत्मा के फलों के बारे में क्या? गलातियों 5:22,23 हमें दिलाता है, **पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम है; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई भी व्यवस्था नहीं।** मैं अक्सर देखता हूं कि लोग अपनी सेवकाई और परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत रिश्ते में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे अपने परिवार और पड़ोसियों की उपेक्षा कर देते हैं। बाइबल हमें सिखाती है कि दोनों रिश्ते समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

कलीसिया की जिम्मेदारी!

कलीसिया, जिसमें आप और मैं शामिल हैं, अपने साथी विश्वासियों की देखभाल करने और उनके बोझ को साझा करने की एक गहन जिम्मेदारी वहन करता है। जब शरीर का एक सदस्य अस्वस्थ होता है, तो इसका असर हम सभी पर पड़ता है। दूसरों की देखभाल करना केवल करुणा का कार्य नहीं है; इसमें व्यक्तिगत हित भी शामिल है। जब हमारे आस-पास के लोग स्वस्थ होते हैं, तो हमें लाभ होता है, और जब हम स्वस्थ होते हैं, तो पूरी कलीसिया मजबूत होती है। इसके विपरीत, जब हम पीड़ित होते हैं, तो कलीसिया सहित हमारे करीबी लोग भी प्रभावित होते हैं।

जैसा कि गलातियों 6:2 कहता है, **एक दूसरे का बोझ उठाओ, और इस तरह मसीह की व्यवस्था को पूरा करो।** यह आज्ञा स्पष्ट है - यह वैकल्पिक नहीं है, बल्कि परमेश्वर के परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए एक सीधा निर्देश है। ऐसा करके ही हम परमेश्वर की सन्तानों के रूप में अपनी बुलाहट को पूरा कर सकते हैं। आइए अब हम पवित्रशास्त्र की ओर मुड़ें और देखें कि कैसे दूसरों ने एक दूसरे के बोझ को साझा किया है।

दाऊद और योनातान!

दाऊद और योनातान के बीच का बंधन निस्वार्थ प्रेम और मित्रता का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। यह जानते हुए भी कि एक दिन दाऊद राजा के रूप में उसकी जगह लेगा, एक ऐसा पद जिसे वह अपना मान सकता था, योनातान दाऊद से पूरे दिल से प्यार करता था। दाऊद के प्रति उसकी विश्वासयोग्यता इतनी ज्यादा थी कि वह अपने पिता, राजा शाऊल के खिलाफ़ भी खड़ा हो गया।

1 शमूएल 23, एक सामर्थी क्षण के बारे में लिखता है : दाऊद, जीप के जंगल में छिपा हुआ था, शाऊल द्वारा लगातार पीछा किया जा रहा था, जो उसे मारने के लिए दृढ़संकल्प था। फिर भी, बाइबल हमें बताती है, ... लेकिन परमेश्वर ने दाऊद को उसके हाथों में नहीं दिया। 1 शमूएल 23:14। परमेश्वर दाऊद की रक्षा कर रहा था।

प्रिय मित्रों, यह कितनी शान्ति देने वाली सच्चाई है! यदि परमेश्वर ने दाऊद की रक्षा की, तो वह हमें भी हमारे शत्रुओं से बचाएगा, जो हमें गिरते हुए देखना चाहते हैं। कभी-कभी, ऐसा लग सकता है कि हम पर लगातार हमला हो रहा है, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि परमेश्वर हमें हमारे शत्रुओं के हाथों में नहीं सौंपेगा। जब हमारे तरीके प्रभु को पसंद आते हैं, तो वह हमारे शत्रुओं को भी हमारे भले के लिए काम करने के लिए बदल सकता है। शत्रु करीब हो सकता है, लेकिन परमेश्वर नियंत्रण में है। वह हमें कभी भी उनके हाथों में नहीं पड़ने देगा।

उस समय दाऊद डर में जी रहा था, क्योंकि वह जानता था कि शाऊल उसका पीछा कर रहा है। वह अपने परिवार, अपनी पत्नियों, अपने दोस्तों और अपने घर के आराम को छोड़कर जंगल में छिपने के कारण अकेला, निराश और चिंतित महसूस कर रहा होगा। अकेलापन एक भयानक दुश्मन हो सकता है, जो नकारात्मक विचारों को जड़ जमाने और पनपने देता है। फिर भी, अपने सबसे बुरे पलों में भी, परमेश्वर दाऊद के साथ था, और वह हमारे साथ भी है।

जब दाऊद शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से निराश था, तो जंगल में एक अप्रत्याशित आगंतुक उसके पास आया : 1 शमूएल 23:16।

कि शाऊल का पुत्र योनातान उठकर उसके पास होरेश में गया, और परमेश्वर की चर्चा करके उसको ढांढ़स दिलाया

आइए इस पद के कुछ अन्य अनुवादों को देखें :

एनआयवी : उसे परमेश्वर में शक्ति पाने में मदद की।

एनएलटी : परमेश्वर में अपने विश्वास में दृढ़ रहें।

केजेवी : परमेश्वर में अपने हाथ को मजबूत किया।

एम्पलीफाइड : परमेश्वर में उसे प्रोत्साहित किया।

संक्षेप में, योनातान अपने प्रिय मित्र दाऊद से मिलने और उसे उत्साहित करने के लिए जंगल में गया। उसने प्रोत्साहन भरे शब्द कहे और दाऊद को उसकी कमज़ोरी में मज़बूत किया। योनातान ने न केवल भावनात्मक रूप से दाऊद का साथ दिया, बल्कि उसने उस समय परमेश्वर में उसे मज़बूती पाने में भी मदद की जब दाऊद आध्यात्मिक रूप से सूखा था। योनातान के शब्दों का दाऊद पर गहरा असर हुआ। 1 शमूएल 23:17 में, योनातान कहता है :

"मत डर; क्योंकि तू मेरे पिता शाऊल के हाथ में न पड़ेगा; और तू ही इस्राएल का राजा होगा, और मैं तेरे नीचे हूंगा; और इस बात को मेरा पिता शाऊल भी जानता है।"

योनातान ने दाऊद को उसके जीवन

....*Contd. to page 6*

NEHEMIAH RESIDENTIAL BIBLE COLLEGE Chennai.

Rush for Admission!

Diploma in Theology

Medium : Hindi

Qualification : 10th Standard & above

Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 55 years

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org
✶ ONLINE CLASSES ARE AVAILABLE ✶

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES
SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों 6:2), ✽ सहायता करना (रोमियों 12:13) और ✽ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

PRAISE & PRAYER POINTS - From November 19 To December 18, 2024

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 नवंबर : 2024–2025 के पहले सेमेस्टर को सफलतापूर्वक पूरा करने और हमारे नहेम्या बाइबल कॉलेजों में दूसरे सेमेस्टर को शुरू करने में हमारी मदद करने के लिये।

20 नवंबर : हमें अपनी पत्रिका को 16 भाषाओं में हमारे प्रिंटिंग प्रेस में प्रिंट छापने और प्रकाशित करने और मिशन क्षेत्रों में वितरित करने में सक्षम बनाने के लिए।

21 नवंबर : हमारे बाइबल कोर और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रमों पर उसकी आशीष के लिये।

22 नवंबर : हमारे मुख्य चर्च और इसकी शाखाओं में हमारी रविवार की आराधना के लिये, सुसमाचार को उन समूहों तक फैलाने के लिए जो पहुंच से दूर हैं।

23 नवंबर : हमारे वरिष्ठ पासबान के लिये जो विविध सेवकाइयों के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

24 अक्टूबर : एको ऑफ़ हिज़ कॉल पत्रिका सेवकाई की सहायता करने वाले समर्पित सहयोगी संपादकों के साथ हमारी सेवकाई को आशीष देने के लिए।

25 अक्टूबर : हम अपने प्रार्थना भागीदारों, सदस्यता भागीदारों, विश्वास भागीदारों, जीवन भागीदारों, और महान आयोग भागीदारों के साथ-साथ उनके परिवारों के प्रति प्रभु की दया के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

26 नवंबर : हमारे नियमित प्रायोजकों और हमारी सेवकाई में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए।

27 नवंबर : हमारे समर्पित संडे स्कूल शिक्षकों के लिए।

28 नवंबर : हमारी यू ट्यूब सेवकाई के अध्यक्ष भाई एडवर्ड दुरई।

29 नवंबर : प्रभु ने हमारी यू ट्यूब मीडिया सेवा के द्वारा सुसमाचार को दूर-दराज के क्षेत्रों में फैलाने में हमारी सहायता की है।

30 नवंबर : हमारे मुख्य चर्च और इसकी शाखाओं में संडे स्कूल के लिए हमें कई बच्चे देकर आशीष दी।

01 दिसंबर : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल और नहेमया बाइबल कॉलेजों के छात्रों और शिक्षकों के लिए हमें ईश्वरीय सुरक्षा की आशीष देने के लिए।

02 दिसंबर : हमारे हितैषी, मित्र और क्षेत्र समन्वयक।

03 दिसंबर : एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाइयों की सभी गतिविधियों पर परमेश्वर का मार्गदर्शन और आशीर्वाद।

कृपया प्रार्थना करें

04 दिसंबर : हमारे वरिष्ठ पादरी, एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों की सभी प्रकार की बुरी ताकतों से सुरक्षा।

05 दिसंबर : हमारे वरिष्ठ पादरी की अपनी आत्मकथा लिखने में सफलता।

06 दिसंबर : दुनिया भर के पास्टरों, मिशनरियों और मसीही संगठनों के लिए ईश्वरीय सुरक्षा।

07 दिसंबर : हमारी पत्रिका समिती के सदस्य।

08 दिसंबर : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल और नहेम्याह बाइबल कॉलेज के कर्मचारी और छात्र।

09 दिसंबर : दुनिया भर में किशोरों और युवाओं के बीच आत्महत्या की भावना को दूर हो।

10 दिसंबर : दुनिया भर में चक्रवात और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं की रोकथाम।

11 दिसंबर : हमारे चर्च परिषद के सदस्यों के लिए।

12 दिसंबर : हमारे शाला परिषद के सदस्यों के लिए।

13 दिसंबर : दुनिया भर में नई संक्रामक बीमारियों के खिलाफ़ ईश्वरीय सुरक्षा।

14 दिसंबर : दुनिया भर में सभी मसीही सेवकाइयों में बड़ी बेदारी आए।

15 दिसंबर : दुनिया भर में युद्ध और आतंकवाद से प्रभावित सभी क्षेत्रों में शांति और सद्भाव वापस आए।

16 दिसंबर : हमारे बाइबल कॉलेज काउन्सिल के सदस्य।

17 दिसंबर : झूठी शिक्षा और झूठे चमत्कारों का अनुसरण करने से विश्वासियों की ईश्वरीय सुरक्षा।

18 दिसंबर : हमारी अस्पताल सेवकाई।

पृष्ठ 4 से आगे:...

के लिए परमेश्वर की योजना के बारे में आश्वस्त किया। कल्पना कीजिए कि योनातान के लिए अपने पिता की गलतियों को स्वीकार करना कितना मुश्किल रहा होगा। शाऊल एक शक्तिशाली राजा हो सकता है, लेकिन चाहे वह कितनी भी कोशिश कर ले, वह परमेश्वर की इच्छा को विफल नहीं कर सकता था। योनातान ने स्वीकार किया कि दाऊद अगला राजा बनेगा और परमेश्वर के वादे की पूर्ति को पहचानते हुए, उसके अधीन सेवा करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। मनुष्य की कोई योजना, नरक की कोई योजना, परमेश्वर के उद्देश्यों के खिलाफ़ नहीं टिक सकती। परमेश्वर के पास हमारे लिए एक योजना है, जैसा कि यिर्मयाह २९:११ में कहा गया है : हमें आशा और भविष्य देने की योजनाएं।

योनातान ने दाऊद को प्रोत्साहित करने के लिए अपने रास्ते से हटकर काम किया, हमें याद दिलाया कि जब हम दूसरों को प्रोत्साहित करते हैं, तो वे प्रभु में मजबूत होते हैं। पिछली बार कब आपने किसी को प्रोत्साहित करने के लिए अपने रास्ते से हटकर काम किया था? हम अक्सर अपने लिए प्रोत्साहन चाहते हैं, लेकिन क्या हम दूसरों की ज़रूरत के समय उनके लिए समय निकालते हैं और प्रयास करते हैं? आज की व्यस्त दुनिया में, दूसरों की ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ करना आसान है। कभी-कभी हम सोचते हैं कि पैसे भेजना ही काफी है, और जबकि वित्तीय सहायता महत्वपूर्ण है, शारीरिक और भावनात्मक रूप से मौजूद रहना भी उतना ही ज़रूरी है।

बर्ज़िल्लै !

बाइबल में एक और प्रेरक चरित्र बर्ज़िल्लै है, एक ऐसा व्यक्ति जिसने दिखाया कि उम्र सिर्फ़ एक संख्या है। 2 शमूएल 19:32 में, यह कहा गया है :

बर्जिल्लै तो वृद्ध पुरुष था, अर्थात् अस्सी वर्ष की आयु का था; जब तक राजा महनैम में रहा तब तक वह उसका पालन पोषण करता रहा; क्योंकि वह बहुत धनी था।

हम बर्ज़िल्लै नाम के एक व्यक्ति से मिलते हैं, जो 80 साल का था। जब दाऊद अपने बेटे से मिलने जंगल में भाग रहा था, तो उसके आदमियों को भोजन और दूसरे संसाधनों की सख्त ज़रूरत थी। बर्ज़िल्लै, एक अमीर और बुजुर्ग आदमी था, उसने दाऊद और उसके अनुयायियों की सहायता करने की पहल की। जब वे महनैम में रह रहे थे, तब उसने उन्हें भोजन उपलब्ध कराया, और दाऊद और उसके आदमियों के बोझ को साझा किया।

यह कहानी दर्शाती है कि दयालुता के कार्य लिंग, जाति या उम्र तक सीमित नहीं हैं - कोई भी दूसरों के बोझ को उठाने में मदद कर सकता है। मुख्य आवश्यकता एक इच्छुक और दयालु हृदय है। जब दाऊद ने अपनी दयालुता को पुरस्कृत करने के लिए बर्ज़िल्लै को अपने साथ राज्य में वापस लाने की पेशकश की, तो बर्ज़िल्लै ने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया, और पीछे रहने का विकल्प चुना। यह दर्शाता है कि उसका प्यार और देखभाल स्वार्थी उद्देश्यों से नहीं थी; वह बस दाऊद के लिए वहां रहना चाहता था, उसके दर्द और संघर्ष को बांटना चाहता था।

यीशु !

यीशु मसीह से बढ़कर निस्वार्थ प्रेम का कोई बड़ा उदाहरण नहीं है। उसने हमसे इतना गहरा प्यार किया कि वह हमारे पापों के लिए क्रूस पर मरने के लिए स्वर्ग और अपना सिंहासन छोड़ने को तैयार था। **वह हमें महान बनाने के लिए नीचे झुकता है (भजन 18:35, एनआईवी)।** यीशु ने खुद को नम्र किया और शाप बन गया ताकि हम आशीष पा सकें। उसने हमारी लज्जा को सहन किया ताकि हम अपने सिर को ऊंचा करके चल सकें। उसके बलिदान के द्वारा, हमें सबसे बड़ा वरदान मिला है : **क्षमा और अनंत जीवन। वह वादा करता है, मैं तुम्हें कभी नहीं छोडूंगा, न कभी त्यागूंगा** (इब्रानियों 13:5)। प्रभु घोषणा करता है, **उसने जो मुझ से स्नेह किया है, इसलिये मैं उसको छुड़ाऊंगा, मैं उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है। जब वह मुझ को पुकारे, तब मैं उसकी सुनूंगा, संकट में मैं उसके संग रहूंगा, मैं उसको बचाकर उसकी महिमा बढ़ाऊंगा। (भजन 91:14—15)।**

परमेश्वर हमें आश्वासन देता है कि वह हमारे संकट के समय में हमारे साथ रहेगा, हमारे करीब रहेगा। यीशु हमें अपने बोझ को उसके साथ बांटने के लिए आमंत्रित करता है, **मत्ती 11:28—30 में वह कहता है : "हे सब परिश्रम करनेवालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो, और मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं : और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हल्का है।"७**

....Contd. to page 9

NEHEMIAH EVENING BIBLE COLLEGE,
Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.
ECHO OF HIS CALL 1969-2019 REACHING NATIONS
Rush for Admission!
Diploma in Theology
Medium : Tamil
Qualification : 10th Standard & above
Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 55 years
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यों के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा : २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बंगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (तीन केन्द्र)
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एवं तमिल
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम
८. सुसमाचार सभाएं
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय -प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मैट्रिक्युलेशन स्कूल- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल रविवार प्रातः ८.३० बजे
१३. तमिल उपासना रविवार प्रात ५.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे
१४. हिन्दी उपासना रविवार सायं ४.०० बजे
१५. तेलुगू उपासना रविवार सायं ५.०० बजे
१६. अंग्रेजी तथा तमिल उपासना रविवार सायं ६.०० बजे
१७. महिलाओं की प्रार्थना सभा बुधवार सायं ५.३० बजे
१८. पुरुषों की प्रार्थना सभा शुक्रवार सायं ६.३० बजे
१९. शिष्यता की सभा शनिवार सायं ६.०० बजे
२०. गृह सभाएँ मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२१. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२२. कर्मचारी समीक्षा सभा प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२३. पालकों की प्रार्थना सभा प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२४. रात्रकालिन प्रार्थना द्वितीय शुक्रवार रात ९.३० बजे
२५. उपवास के साथ प्रार्थना प्रथम शनिवार सायं ९.३० बजे
२६. पवित्र प्रभुभोज द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
२७. प्रातःकालीन उपासना प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
२८. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना उपासना प्रतिदिन प्रातः ९.०० बजे
२९. कार्यालय प्रातः ९.०० बजे से सायं ६.०० बजे (रविवार छोड़कर)

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा “एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट” को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **“एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट”** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

एक पेंसिल मैट की पुरानी कहानी!

"लड़के को उसी मार्ग की शिक्षा दे जिसमें उसको चलना चाहिए, और वह बुढ़ापे में भी उससे न हटेगा" (नीतिवचन 22:6)।

देहात के सरकारी स्कूल में मेरी पांचवी कक्षा की पढ़ाई पूरी करने के बाद, मैं पास हो गया और मुझे हाईस्कूल में दाखिला मिला, जहां पर मुझे पहली बार अंग्रेजी के वर्णाक्षर सिखाए गए। स्कूल के पहले दिन, वर्ग अध्यापिका ने सभी विद्यार्थियों से कहा कि वे दूसरे दिन पेंसिल और नोटबुक लेकर आएं। जैसे ही मैं घर आया मैंने अपनी मां को मेरी ज़रूरत के बारे में बताया क्योंकि मेरे पिता दूसरे शहर गए हुए थे। वह नोटबुक तो लिया है लेकिन वह मेरे लिए पेंसिल नहीं खरीद पाई। वह हमारे पड़ोसी रिश्तेदारों से इस जरूरत को पूरा करवाना नहीं चाहती थी इसलिए उसने मुझे इस बारे में समझाया और मुझसे कहा कि मैं मेरे इस्तेमाल के लिए पेंसिल के लिए प्रभु यीशु मसीह से प्रार्थना करूं।

उसकी बातों को मानकर रात में मैंने घुटने टेके और परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह मुझे एक पेंसिल दे और मैं सो गया। अगले दिन सुबह तक परमेश्वर ने मुझे कोई पेंसिल नहीं दी। इसलिए मुझे बिना पेंसिल के ही स्कूल में जाना पड़ा। जब बाकी सारे बच्चों ने उनके इस्तेमाल के लिए पेंसिल लाई थी उस समय मैं ही अकेला ऐसा छात्र था जो अपने शिक्षक के आदेशों का पालन नहीं कर पाया था। इसलिए अध्यापिका मुझसे खुश नहीं थी। उसने मुझसे कहा कि अगले दिन मैं बिना पेंसिल के स्कूल में ना आऊं।

मैंने घर आकर अपनी मां को अपनी अध्यापिका की नाराज़गी के बारे में बताया। वह मेरी ओर देखकर केवल मुस्कुराइए और उसने कहा कि प्रभु यीशु मसीह से दूसरे दिन भी प्रार्थना करता रहूं और उसने मुझे यह आश्वासन दिया कि पेंसिल आ रही है। मैंने वैसा ही किया और पाया कि कुछ भी नहीं हुआ। इसलिए मुझे खाली हाथ फिर से स्कूल जाना पड़ा। जब अध्यापिका ने पूछा तो मैंने उसे बताया कि मैंने प्रभु यीशु मसीह से मेरी मां की आज्ञा के अनुसार प्रार्थना की और पेंसिल आ रही है। अध्यापिका चढ़ गई और मुझ पर नाराज़ हो गई और मेरे मां के रवैए से भी वह नाखुश थी। उसने मुझसे कहा कि मैं बिना पेंसिल के अगले दिन स्कूल न आऊं।

बड़े दुख के साथ मैंने यह खबर अपनी मां तक पहुंचाई। उसने मुझसे कहा कि मैं प्रभु यीशु मसीह को मेरी पेंसिल प्रार्थना सुनने के लिए

धन्यवाद दूं। मैं बीच रात तक प्रभु को धन्यवाद देता रहा। लेकिन मुश्किल समय के बारे में सोचता हुआ और यदि मैं बिना पेंसिल के स्कूल जाता हूं तो उस सजा के बारे में जो मुझे अगले दिन मिलने वाली थी सोच कर मैं सो नहीं पा रहा था।

मैं अचंभित रह गया, बीच रात को अचानक हमने किसी को दरवाजे पर खटखटाते हुए सुना। मेरी मां ने कहां कि शायद चोर दरवाजा खटखटा रहे थे, यह जानकर कि घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं है और उसने मुझसे कहा कि मैं खामोश रहूं और चुपचाप ओढ़ कर सो जाऊं।

फिर हमने एक आवाज सुनी जो मेरी मां का नाम लेकर खिड़की से पुकार रही थी। यह मेरे अंकल से सेल्वामणि थे जो एक पुलिस अधिकारी थे और पालयमकोट्टई नामक स्थान में काम करते थे जो मेरे घर से 70 किलोमीटर की दूरी पर था। हमने खुशी के साथ दरवाजा खोला। वह मेरे लिए बहुत सारे उपहार ले आए थे जैसे बिस्किट, मिठाई, कपड़े आदि जैसे वह हमेशा किया करते थे। जब मैंने एक खास गिफ्ट बैग खोली तो मैंने उसमें एक बॉक्स पाया। मैंने उसे उत्सुकता के साथ खोला और मैंने पाया कि यह बॉक्स बहुत महंगी पेंसिलों से भरा था (नटराज पेंसिल जो कि उन दिनों बहुत महंगी पेंसिल हुआ करती थी)। उस बॉक्स में 24 पेंसिलें थीं।

मैं उस रात यह कहता हुआ कूद रहा था कि प्रभु यीशु परमेश्वर यीशु मसीह ने न केवल हमारी प्रार्थना को सुना बल्कि हमारी प्रार्थनाओं का जवाब भी दिया। बहुत खुशी की वजह से मैं उस रात सो नहीं पाया।

अगले दिन सुबह में 24 महंगी पेंसिलों का बॉक्स लेकर खुशी के साथ स्कूल गया जबकि दूसरे विद्यार्थियों के पास केवल एक ही पेंसिल थी। अध्यापिका कठोर चेहरा लेकर मेरे पास आई और उसने पूछा कि क्या हुआ। मैंने जवाब दिया कि जो पेंसिल रास्ते में थी कल तक वह

मेरे हाथों में आज बड़े अद्भुत रीति से पहुंच चुकी है। उसने बहुत खुशी से मेरी पीठ थपथपाई और विद्यार्थियों के सामने घोषित किया कि एक जीवित परमेश्वर है। जिसका नाम यीशु मसीह है।

प्रिय पाठक यह तब हुआ जब मैं 7 वर्ष का था लेकिन यह अनुभव आज भी मेरे मन में ताजा है। वही परमेश्वर जिसने मुझे पेंसिलें दी थीं, आज भी जीवित है। **वह कल आज और युगानुयुग एक सा है** (इब्रानियों 13:8)। इसलिए आज भी मैंने अपने कमरे में एक छोटी सी चटाई रखी है जिसे **पेंसिल मैट** कहता हूं। **मैं हर सुबह उस पेंसिल मैट पर जाता हूं और मेरे व्यस्त समय के बावजूद दिन में कम से कम तीन बार वहां जाकर प्रार्थना करने की कोशिश करता हूं और परमेश्वर यीशु मसीह को मेरी जरूरतों के बारे में बताता हूं। आज तक मैंने उसकी ओर से सुई से लेकर कई मिनी बसेज, बड़ी बिल्डिंगें आदि इस पेंसिल मैट के द्वारा पाई है। इसलिए मैंने यह निष्कर्ष निकाला है कि जो हाथ पवित्र बाइबल उठा कर चलते हैं और जो पैर प्रार्थना में घुटने टेकते हैं वे कभी असफल नहीं होंगे।**

इसलिए मेरी 55 वर्षों की सेवा के दौरान मैंने कोई भी पैसा इकट्ठा करने वाला प्रोजेक्ट नहीं चलाया है और ना ही किसी व्यक्ति के दरवाजे पर जाकर पैसा इकट्ठा किया है या हमारी विभिन्न प्रकार की सरकारों की जरूरतों के लिए सामग्री प्राप्त की है। मैं मेरे परमेश्वर से पैसा पाता हूं जिसने मुझे मेरी पेंसिल मैट से मेरी सारी जरूरतों के लिए उत्तर दिया।

"जो मुझे सामर्थ्य देता है उसमें मैं सब कुछ कर सकता हूँ" फिलिप्पियों 4:13

पृष्ठ 6 से...

वह तैयार है और हमारे लिए इंतज़ार कर रहा है कि हम उसके पास आएं और अपनी चिंताओं, दर्द, असफलताओं और भय को त्याग दें। क्या आप आज उसके पास आएँगे और उसे अपना बोझ बांटने देंगे?

जिस तरह यीशु हमारा बोझ उठाता है और हमारे लिए प्रार्थना करने के लिए कलीसियाई परिवार की सहायता है, उसी तरह हमें भी दूसरों के जीवन में "योनातान" बनने के तरीके ढूंढ़ने चाहिए।

1. दूसरों के लिए प्रार्थना करना!

प्रार्थना एक शक्तिशाली साधन है। हम एक-दूसरे के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। यदि आप किसी को पाप से जूझते हुए देखते हैं, तो उसकी आलोचना करने के बजाय, उसके लिए और उसके साथ प्रार्थना करें। उनके साथ चलें। यदि आप किसी से नाराज़ हैं, तो दूसरों से उसके बारे में गपशप करने के बजाय, उसके लिए ईमानदारी से प्रार्थना करना शुरू करें।

2. सुनना!

कभी-कभी, लोगों को मात्र ऐसे किसी की ज़रूरत होती है जो उनकी बात सुने। वे सलाह या अपनी समस्याओं के समाधान की तलाश में नहीं होते - बस एक दयालु कान की। बिना किसी निर्णय के सुनें। यह परिवार का कोई सदस्य, कोई मित्र या कोई ऐसा व्यक्ति भी हो सकता है जिसने आपको दर्द पहुंचाया हो। जब लोगों को इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो, तो एक अच्छा श्रोता बनें।

3. ज़रूरतों को पूरा करना!

याकूब हमें सिखाता है कि विश्वास को कार्य के ज़रिए प्रदर्शित किया जाना चाहिए। सिर्फ़ प्रार्थना और सुनना ही काफ़ी नहीं है; हमें दूसरों की ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करने के व्यावहारिक तरीके ढूँढ़ने चाहिए। इसमें हमेशा पैसे की ज़रूरत नहीं होती - हम दूसरों की सहायता करने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए अपने कौशल, विशेषज्ञता और ज्ञान का उपयोग कर सकते हैं।

4. प्रौद्योगिकी!

किसी उद्देश्य के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें। किसी मुश्किल समय से गुज़र रहे व्यक्ति को एक उत्साहवर्धक टेक्स्ट या वॉयस मैसेज भेजें। प्रार्थना या कोई उत्साहवर्धक संदेश छोड़ें; भले ही आप शारीरिक रूप से वहां मौजूद न हों, निश्चित रूप से, आपके शब्दों का एक शक्तिशाली प्रभाव होगा। संघर्ष कर रहे लोगों को उत्साहित करने और प्रोत्साहित करने के लिए बाइबल का कोई पद या कोई सरल संदेश साझा करें।

5. मण्डली की देखभाल करना!

अपनी मण्डली की भलाई की खोज करने की आदत बनाएं। यदि आप देखते हैं कि कोई कलीसिया में नहीं आ रहा है, तो उन्हें फ़ोन करें। पूछें, "क्या मैं आपके लिए प्रार्थना कर सकता हूं? क्या मैं आपकी कुछ मदद कर सकता हूं?" सुनिश्चित करें कि हमारे भाई-बहन जानते हैं कि वे एक परिवार का हिस्सा हैं।

6. सेवा करना!

अंत में, दूसरों की सेवा करने के लिए हर तरह से उपलब्ध रहें, जैसा कि यीशु ने किया था। सेवा करने के अवसर अनगिनत हैं, लेकिन मुख्य बात यह है कि एक-दूसरे के बोझ को बांटने और परमेश्वर की सन्तानों के रूप में अपनी बुलाहट को पूरा करने के तरीके खोजें।

आवश्यकता है प्रधानाचार्य

ख्रिश्चन मैट्रिक्यूलेशन स्कूल, चेन्नई
हमें सुयोग्य, अनुभवी, समर्पित, परिश्रमी और मिशन अभिमुख मसीही

आवेदन करें Email : biblecor@yahoo.co.in
WhatsApp : (+91) 97908 05460

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ

*****

E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th NOVEMBER 2024.
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**